डॉ आभा सिंह, निदेशक प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष

विभागाध्यक्ष की डेस्क से पत्र

LHMC 1940 में महिलाओं के डॉक्टरों के लिए विशेष रूप से चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था । वर्तमान में यह पुरुष और महिला दोनों स्नातकोत्तर डॉक्टरों के लिए है। शहर के बीचो बीच स्थित LHMC और एस एस के अस्पताल का प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग , प्रसूति और gynecological समस्याओं के लिए दिल्ली और निकट के राज्यों के मरीजों की देख भाल करता हैं। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में 26 शिक्षक हैं तथा ३२ senior रेजिडेंट , १६ पीजी छात्र प्रतिवर्ष आतें हैं ।यह संस्थान के बड़े विभागों में से एक है। यहाँ एक साथ तीन ओपीडी चलती है, स्त्री रोग ओपीडी ,प्रसवपूर्व ओपीडी, और परिवार नियोजन ओपीडी। यहाँ प्रतिवर्ष 1.1 लाख मरीज ओपीडी विमर्श और 20,000 से अधिक दाखिले के लिए आतें हैं साथ ही विशेष क्लीनिक जैसे उच्च जोखिम गर्भावस्था , भ्रूण चिकित्सा, प्रसव के बाद, बांझपन, किशोर, रजोनिवृत्ति, स्त्रीरोग एंडोक्रिनोलोजि और कैंसर विज्ञान क्लीनिक विशिष्ट सेवाएं प्रदान करते हैं। एक विशेष वरिष्ठ नागरिक क्लिनिक विशेष रूप से रविवार को आयोजित किया जाता है।

विभाग द्वारा प्रदान की गयी सामान्य और आपातकालीन प्रसूति देखभाल सेवा की उच्च गुणवत्ता में दिल्ली के सर्वश्रेष्ठ अस्पताल में से एक हैं। एक मेडिकल कॉलेज और ख्याति प्राप्त रेफरल केंद्र होने के नाते, उच्च जोखिम प्रसव पूर्व मामलों में विशेष देखभाल के लिए अन्य अस्पतालों से भेजा जाता है। विभाग में नर्सरी की सुविधा के साथ पूरी तरह से विकसित बुनियादी सुविधाओं की एक, प्रवीण कुशल और समर्पित टीम है। विभाग में विकसित बांझपन क्लिनिक है, जहां फॉलिक्युलर निगरानी और अंतर्गर्भाशयी गर्भाधान सेवाएं प्रदान की जाती हैं साथ ही डिम्बग्रंथि उत्तेजना नियंत्रित भी किया जाता है। विभाग में पेप स्मीयर, एलबीसी, के माध्यम से, कल्पो स्कोपी मदद से बच्चेदानी के मुंह का कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर) स्क्रीनिंग की सुविधा है। अल्ट्रासाउंड, रंगीन डॉपलर, मैमोग्राफी, सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा है। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में 190 बिस्तर है। विभाग में चार O.T हैं। सभी बड़े और छोटे प्रसूति और स्त्री रोग प्रक्रिया, और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी नियमित तौर पर की जाती हैं। इसके अलावा यूरो गायनोकॉलोजी और स्त्रीरोग-ऑन्कोलॉजी सेवाओं में भी उपलब्ध कराए गए हैं।

एमबीबीएस और एमएस के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम अच्छी तरह से भारतीय चिकित्सा परिषद के नियमों के अनुसार विकसित कर रहे हैं एमबीबीएस छात्रों के व्याख्यान, सेमिनार,चर्चा, प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए नैदानिक पोस्टिंग की जाती है। 9 सेमेस्टर के लिए वार्ड पोस्टिंग पूरी होने पर परीक्षा आयोजित की जाती हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में व्याख्यान, चर्चा, सेमिनार, पैनल चर्चा, पत्रिका क्लब और व्यावहारिक प्रदर्शन भी शामिल है। स्नातकोत्तर करने के लिए यू एस जी और शल्य चिकित्सा

प्रशिक्षण प्रदान कर कौशल विकसित की जाती है। सभी पीजी छात्रों का आकलन करने और उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए छह मासिक परीक्षा आयोजित की जाती हैं। ।

विभिन्न प्रसूति एवं गायनोकॉलोजी मुद्दों पर जन जागरूकता अभियान नियमित आधार पर आयोजित की जाती हैं।

सी एम ई और सम्मेलन जिसमें रेजीडेंट डॉक्टरों & शिक्षक सक्रिय रूप से भाग ले, नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। शिक्षक की निगरानी में PGs द्वारा शोध कार्य नियमित रूप से किए जा रहे हैं।